Rs. 5.00/-

LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN MAGAZINE

10th March 2017 I Every Fortnight I English, Hindi & Gujarati

अंतराय तोडने का श्रेष्ठ उपाय क्या हैं?

अनुमोदना

Year - 9, Vol: 9, Issue: 03, Date: 10.03.2017
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

शुभ अनुमोदना(Shubh Anumodna)

वासुदेव श्री कृष्ण परमात्मा नेमिनाथ के दर्शन करने जाते हैं और पूछते हैं कि "हे भंते! मैं दीक्षा क्यों नहीं ले सकता?"

Vasudev Shree Krishna goes to Parmatma Neminath for darshan and asks, " Hey Bhante! Why can't I take diksha?"

परमात्मा बोध देते हैं, "हे देवानुप्रिय! पिछले जन्म में आपने दीक्षा ग्रहण की थी और अपनी साधना का फल माँगा था, इस अशुभ संकल्प के कारण इस भव में आप संयम ग्रहण नहीं कर सकते।"

Parmatma says, "Devanupriya! In your previous birth when you had taken Diksha,you expected the benefits of your spiritual practice. Hence due to these self centered desires,you invited obstacles obscuring karmas that are preventing you from taking Diksha in this birth. Those who bind such Karmas can't take Diksha".

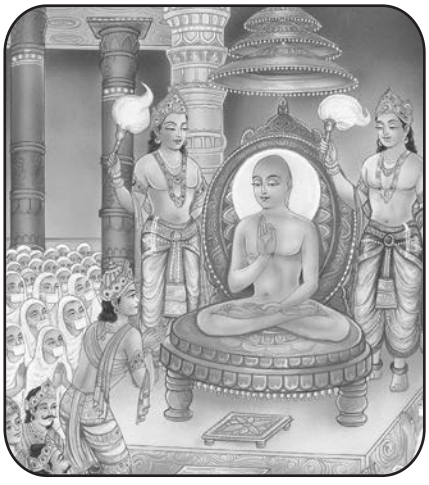

वासुदेव श्री कृष्ण नेमिनाथ परमात्मा से अत्यंत विनम्र भाव से प्रार्थना करते हैं, "हे भंते! अब मैं क्या करूँ? अंतराय को तोडने का कोई तो उपाय होगा?"

Vasudev Shree Krishna, pleads humbly, "Hey Bhante! now what shall I do? There must be some way to shed these karmas"?

परमात्मा ने संबोधन किया, "हे देवानुप्रिय! अनुमोदना अंतराय को दूर करता है।

Parmatma replied, "Hey Devanupriya! Anumodna...being supportive to others in their spiritual practies will shed the obstructing karmas.

वासुदेव श्री कृष्ण नगर लौट आते हैं और घोषणा करते हैं, "हे नगरजनों अगर कोई व्यक्ति परमात्मा नेमिनाथ के चरणों में दीक्षा ग्रहण करने के भाव रखते है तो उनकी पारिवारिक जिम्मेदारी इस राज्य की ओर से की जाएगी।" यह सुनकर अनेकों ने दीक्षा ग्रहण की।

Vasudev Shree Krishna went back to his kingdom & announced, "citizens of this State, if anybody wishes to take Diksha in refuge of Parmatma Neminath, they can do so without worry, as the entire responsibility of their family will be borne by the state". Thus many were inspired to tread on the Divine path

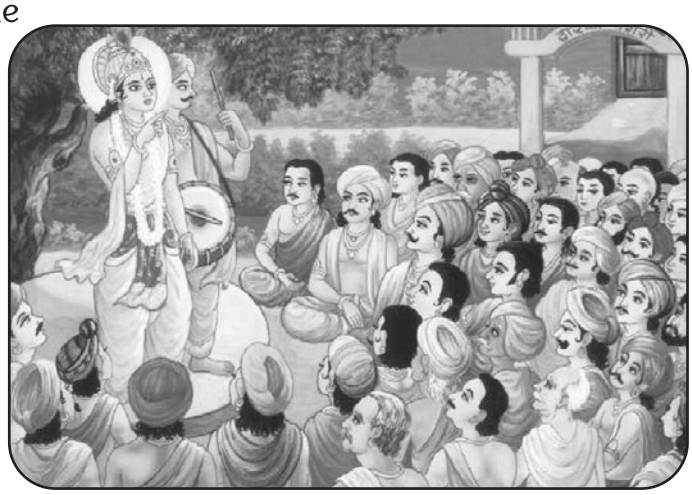

श्री कृष्ण भावपूर्वक हर दिक्षार्थी को वंदना करते थे और भाव व्यक्त करते थे कि, "हे देवानुप्रिय! आपने अपना यह जीवन सार्थक कर लिया है। आप बहुत पुण्यशाली हो कि आपको यह अवसर मिल रहा है कि आप परमात्मा के चरणों मे रहो। मेरे दुर्भाग्य के कारण मैं परमात्मा के पास नहीं रह सकता।"

Shree Krishna bowed to every Diksharthi with immense feeling, "Hey Devanupriya! you have made your life successful, You are very fortunate to get a chance to be in refuge of Parmatma. It's my bad luck that I can't stay with Parmatma."

इस तरह भावपूर्वक, उत्कृष्ट तरीके से श्री कृष्ण ने अनुमोदना की और उन्होंने तीर्थंकर नाम गोत्र कर्म बाँध लिया।

In this way, Shree Krishna praised and supported every Diksharthi with deep feelings. And Shree krishna bound Tirthankar Naam Gotra karma.

प्यारे बच्चों, आप इस कहानी से क्या सीखें?

Dear children, what did you learn from this story?

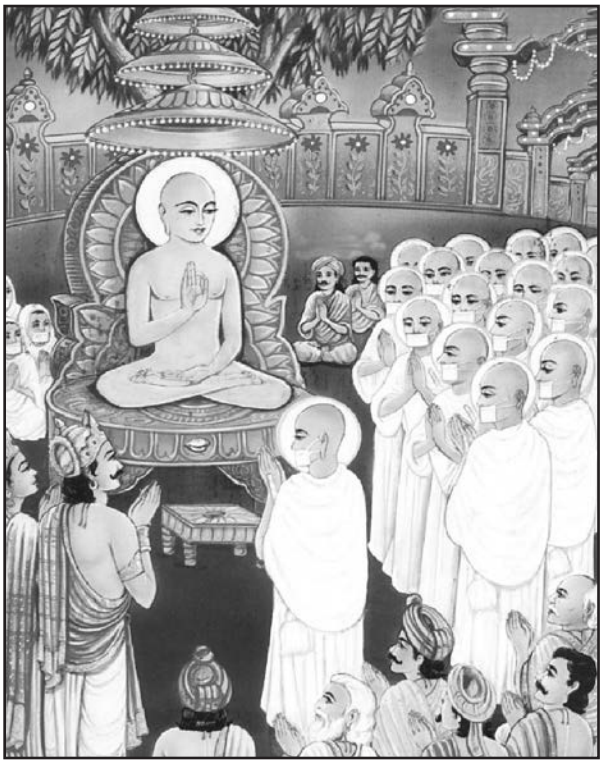

हमें यह सीख मिली की दीक्षार्थी, त्यागी, तपस्वी, वैरागी, ज्ञानी या गुरु की सेवा करने से या अनुमोदना करने से हमें सद्गति मिलती है।

"धर्म की प्रभावना यह धर्म की अनुमोदना है"।

We learnt that by rendering service, acknowledging and supporting Diksharthi's, Donors, Ascetics, Gyani's and Guruji's we can get Sadgati.

"Prabhavna of Dharma is Anumodna of Dharma".

Ayushmaan Bhava

A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby

Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth

Now At Just ₹9990*

LifeCell™

Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in

*Terms & Conditions Apply

अनुमोदना क्या है?
What is Anumodna?

जब कोई शुभ कार्य हमें अधिक पसंद आता है, तब हम उसे दिल से सहराते हैं, भावपूर्वक उस कार्य की अनुमोदना करते हैं।

When someone does good, shubh work ,we must appreciate and support the work whole heartedly.

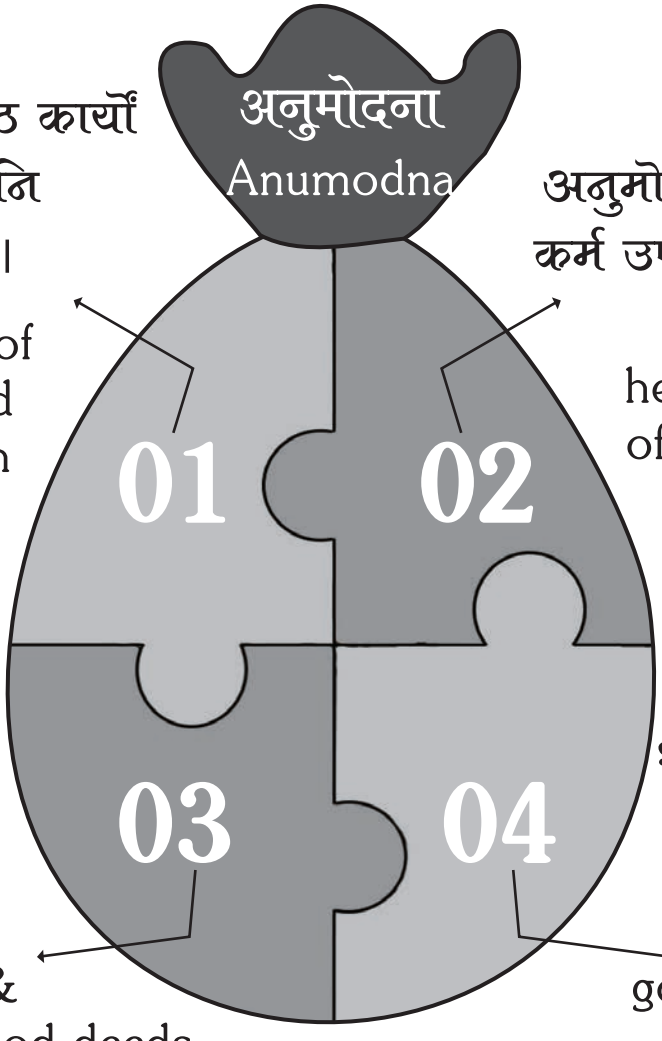

उत्तम और श्रेष्ठ कार्यों को सराहना यानि शुभ अनुमोदना।

Appreciation of kind and good work is Shubh Anumodna

शुभ कार्य की अनुमोदना, शुभ पुण्य कर्म उपार्जन करता है।

Anumodna helps in binding of good karmas

अनुमोदना यानि सद्गुणों की प्रशंसा।

Anumodna is praising, appreciating & supporting good deeds

अनुमोदना शुभ और अशुभ हो सकती है।

Anumodna can be for the good as well as bad deeds

जैन दर्शन में भगवान महावीर ने ३ बातें कही हैं

Bhagawan Mahavir has propounded
3 things in Jainism

हमारा कोई भी कार्य इच्छा के कारण ही होता हैं। कोई भी जीव इच्छा के बिना कार्य नहीं करता। इसलिए भगवान महावीर ने कहा है, "शुभ कार्य करना, कराना और जो शुभ कार्य करते है उसकी अनुमोदना करना।"

Our work is performed due to our desires. No one does the work without desires. Bhagwan Mahavir has propounded that, "One must appreciate and support good,kind and compassionate spiritual practices with one's words, body and actions.

परमात्मा या गुरु के दर्शन करना

Darshan of Parmatma or Guru

आयंबिल आदि तप करना

Performing penance like ayambil, etc

सेवा करना या किसीको मदद करना

Offering help

माला करना

Chanting Rosary

शुभ कार्य

Shubh work

शुभ अनुमोदना के सुविचार
Good thoughts of Shubh Anumodna

टीचर ने यह विषय कितना अच्छा पढ़ाया

Appreciate the teacher's effort.

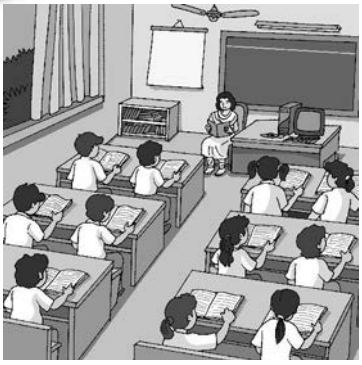

मेघा का चित्र बहुत अच्छा है

Appreciate yo friends work

For eg:-

प्रियम के अक्षर बहुत अच्छे है

Priyam's handwriting is very good

संदिप बहुत विनयवान लड़का है

Sandeep is very modest boy

मोक्षा सिर्फ ५ साल की है, लेकिन सामायिक, प्रतिक्रमण के सारे पाठ अर्थ के साथ याद है

Moksha is just 5 years old, but she knows all chapters of Samayik & Pratikraman with their meaning

इस तरह हमारी चारों ओर, हमारे आस-पास कार्य होते रहते हैं,
हमें उनकी शुभ भाव से अनुमोदना करनी चाहिए।

Similarly, we should appreciate the things which happens around us.

Happy Story Hour

तंदुलिया मत्स्य

एक छोटी मछली का जन्म होता है, वह आँख खोलकर अपने आजु-बाजु के परिसर को देखने लगती है। पानी में असंख्य मछलियाँ देखती है। उसे खयाल आता है कि यह सारी मछलियाँ पानी मे स्थित एक गुफा में जा रही हैं। थोडी देर के बाद वह गुफा बंध होती है और फिर से खुलती है। अरे! यह क्या? यह तो एक मोटी मछली है जिसके मुँह मे अनेक मछलियाँ जा रही है। मुँह खुला तो मछलियाँ बाहर आ जाती है। क्या आपको मालूम है कि मछली कितनी छोटी थी? चावल के एक दाने जितनी! इसलिये इस मछली का नाम था 'तंदुलिया'। 'तंदुल' का अर्थ हैं चावल का छोटा सा दाना।

अब तंदुलिया मत्स्य (छोटी मछली) सोच रही है कि यह बडी मछली कितनी मूर्ख है, मैं उनकी जगह होती तो पूरे समुद्र की मछलियों को खा जाती! बस यह विचार किया और तुरंत ही यह मछली मर गई। उसने एक भी मछली को नहीं मारा था! फिर भी उसने अशुभ कर्म का बंध किया और वह सातवीं नरक गई, ऐसा क्यों हुआ?

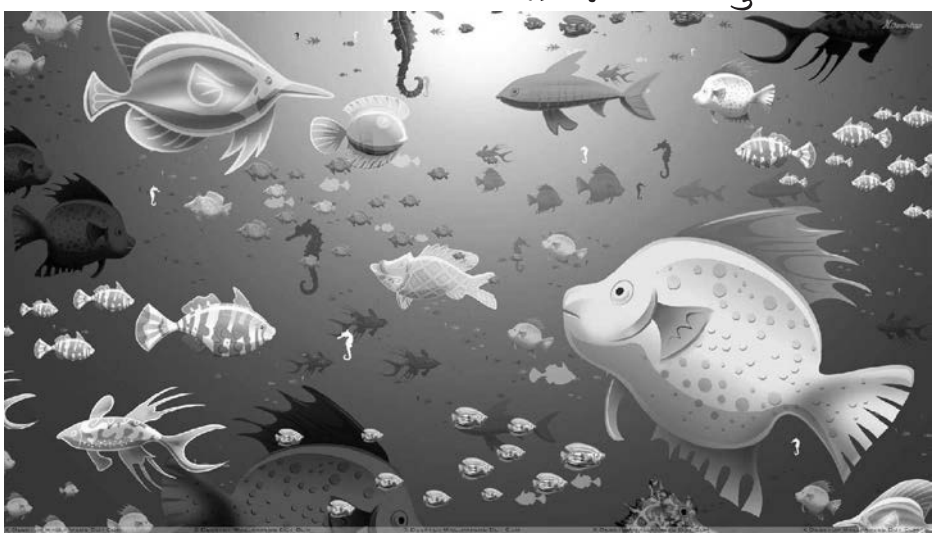

जब धर्म के लिए प्रमोद भाव होता है वह है शुभ भाव। लेकिन जब अधर्म के प्रति प्रमोद भाव होता है वह है अशुभ भाव। अशुभ की अनुमोदना, अधर्म की अनुमोदना कर्म बंध का कारण है।

बच्चों,

आप ने इस कहानी से क्या सीखा?

अशुभ कार्य करने से या अशुभ अनुमोदना करने से दुर्गति मिलती है।

अनुमोदना એટલે શું ?

અનુ એટલે પાછડ, મોદ એટલે આનંદ.
કોઇએ કરેલા સત્કાર્ય પાછડ આનંદ
વ્યકત કરવો, તે કાર્યને વધાણવુ એટલે

અનુમોદના

अशुभ कार्य
Sinful Activities

अशुभ कार्य करना (Doing sinful activities)

चोरी करना, झूठ बोलना, दुःख पहुँचाना, क्रोध करना, हिंसा करना।

Stealing, speaking lies, hurting others, getting angry, being violent.

अशुभ कार्य करवाना (Ask others to do sinful activities)

पैसे देकर दूसरे से किसीका अशुभ कार्य करवाना।

Hurting someone by offering money to others.

किसी के हाथ से चोरी करवाना।

Asking others to steal.

किसी को झूठ बोलने पर मजबूर करना।

Forcing someone to tell a lie.

इन दोनों क्रियाओं मे व्यक्ति स्वयं जुड़ जाता है और उसके भाव भी जुड़े रहते हैं।

In both these activities person is personally involved not only physically but even mentally.

अशुभ अनुमोदना
Bad Appreciation

रवी के जैसे मै भी परिक्षा में नक्कल करके पास हो जाऊ तो अच्छा हैं।

Like Ravi,
I will copy and
pass in exams

करन आज पाठ करके नहीं आया, टीचर ने उसे बहार निकाल दीया।

I am happy that Karan was punished as he did not do his homework

मेरी दोस्त सोमा के साथ पीक्चर देखना मूझे अच्छा लगता है।

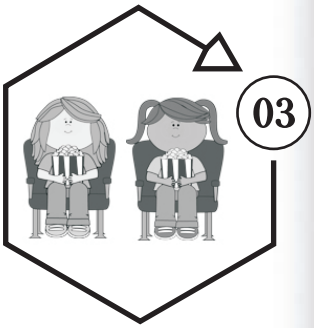

I like watching movies with my friend Soma

मैंने मम्मी से जूठ बोलकर ५० रुपए निकलवाए, देखो तो कितना होशीयार हुँ।

I am so clever, that I lied to my mother & took Rs.50 from her

अच्छा हुआ रवी का हाथ तूट गया, उसने मूझे कल मारा था।

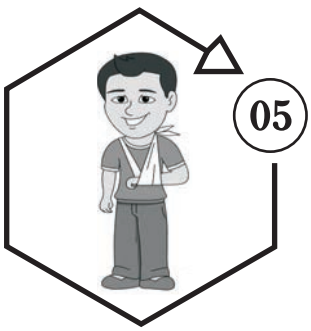

Ravi hurt me yesterday,good he broke his hand today

यह सिल्क की सारी और लेधर जेकेट जचेंगा तुम पर।

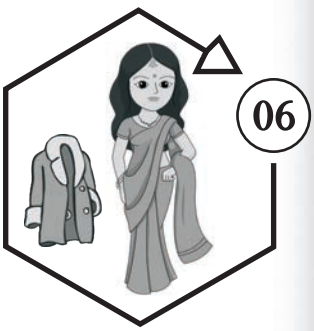

This silk saree and leather jacket looks good on you

पुण्य कर्म की अनुमोदना बेंक
Anumodana bank of Punya deposition

❋ अनुमोदना यानि बेंक। पुण्य की जमा पूंजी। इस बेंक में पुण्य को कमायें या पाप को कमायें।

Anumodana is a bank. You can credit or debit punya, it is your choice.

❋ जितनी बार शुभ कार्य की अनुमोदना करते हैं, उतनी बार पुण्य का उपार्जन होता हैं।

The more you support,appreciate good deeds the more you credit punya in your account.

❋ इस से विपरित, अशुभ कर्मों की अनुमोदना करने से हम उन अशुभ कर्मो के भागीदार भी बनातें हैं।

On the contrary,if we support or appreciate bad deeds we invite bad karmas

Gurubhakt Mehta Parivar

किसकी अनुमोदना करनी चाहिए
Whom should we appreciate

❋ जो सामायिक और प्रतिक्रमण की आराधना शुद्ध भाव से करते हैं।

One, who performs samayik and pratikraman with pure feeling

❋ जो साधु-साध्वीजी हैं, जिन्होंने संसार का त्याग किया हैं।

Sadhu-Sadhviji, who left this mundane life.

❋ जो शुभ कार्य, परमात्मा की भक्ति और धर्म का पालन कर रहे है।

The one who does good work, Paramtma's bhakti and follows the religion.

❋ जो तपस्वी हैं, जो सद्गुणी हैं, जो ज्ञानी हैं।

One who practices penance, and is virtuous and knowledgeable.

❋ जो अपना अधिकत्तम समय परमात्मा के शासन की सेवा में देते हैं।

One, who spends maximum time rendering their services in Parmatma's regime.

Build Your Vocabulary!

Dictionary

The Silent S

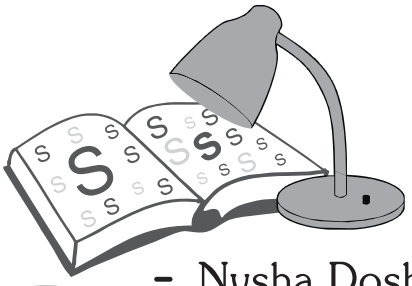

- Nysha Doshi

S - Siddha
Lives in Siddha Kshetra

S - Sadhu-Sadhvi
One who takes dikhsa

S - Swadhyay
Spiritual study

S - Samayik
Staying in Sambhav for 48 minutes

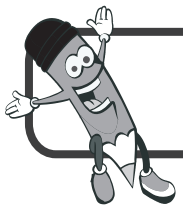

Find out and make a list of more Divine words starting with letter "S"

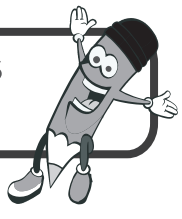

Samvar

પ્રભુએ કહ્યું છે કે,
કદાચ તમે તપ, સાધના કે
દાન કરી નથી શકતા
તો પણ તેની અનુમોદના
કરવાથી પણ,
એટલું જ ફળ મળે છે.

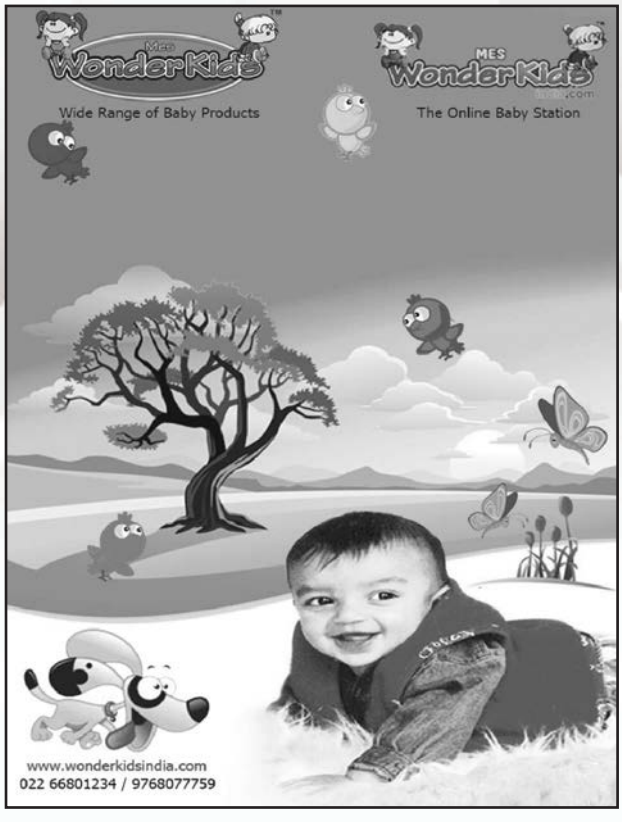

Meet 'N' Eat Caterers Present

Mukesh P. Avlani

Cell : 98212 39150 / 99877 33077

Meet N Treat

THE INSTO CAKE STUDIO

- Specialists in Jain food
- Have Live cake right in front of yours eyes in just 20 mins

Kailash Plaza, 17/A, 17/B, V.B. Lane, Next to ICICI Bank, Ghatkopar (East), Mumbai - 400 077.

- Tel.: 022-2501 1481
- E-mail : mukeshavlani@hotmail.com

Modesty Marathon

Look n Learn Jain Gyan Dham-Mulund

With the blessings and inspiration of Rashtrasant Pujya Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb and support of Arham Yuva Seva Group, Look n Learn Jain Gyan Dham Mulund centre had successfully conducted an event named **"Modesty Marathon"** on 29th January, 2017. The event started at 6:30 am . More than 200 participants including lnl kids, parents and 20 lnl didi's took part in the event. All the participants were divided into 4 groups according to their respective ages. For 3 to 5 years it was 0.5 km race and for rest of the groups, it was 2 km race.

We began with Prayer and Manglik followed with warm up exercise and hosted the Jain flag. The target was to reach the finishing point called 'Siddhshila'. Moral of the marathon was, "Let's run together and spread the message of Vinay" with the help of slogans, banners and vinay messages on lnl kids t-shirts filled the air with cheer and enthusiasm .

Winners were felicitated with certificates, trophies and medals. All the participants recieved certificate and medal too.

Lets do Shubh anumodna every hour!

I do Anumodna of all who are doing Pratikraman right now.

I do Anumodna of people who are doing Navkarshi (Penance).

I do Anumodna of the one who is doing Vandana.

I do Anumodna of one who listens to Vachni (Discourses).

I do Anumodna of one who is learning Aagam right now.

I do Anumodna of one who is chanting Shree Namaskar Mantra.

I do Anumodna of people who are doing Aayambil or Ekasana (Penance).

I do Anumodna of people who are doing Upvaas (Penance).

I do Anumodna of all who are meditating right now.

I do Anumodna of one who is observing silence right now.

I do Anumodna of one who is donating and helping the needy right now.

I do Anumodna of the one who offers selfless service (seva).

I do Anumodna of one who is doing Chouviyar right now.

I do Anumodna of all who are performing Pratikraman.

I do Anumodna of all who are not watching T.V.

I do Anumodna of all who have detached themselves from worldly pleasures.

Lets do anumodna whole heartedly!

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol.: 9, Issue: 03, Date: 10.03.2017, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
License to post without prepayment, WPP license No. MR/Tech/WPP-273/NE/2017.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

भक्तामर गाथा

वक्त्रं क्व ते सुरनरोरगनेत्रहारि, निःशेष निर्जित जगत् त्रितयोपमानम्।
बिम्बं कलंकमलिनं क्व निशाकरस्य, यद्वासरे भवति पाण्डुपलाशकल्पम्।।१३।।

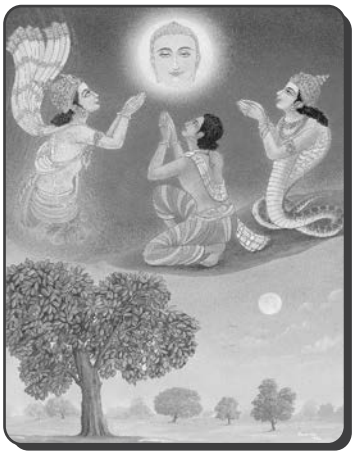

अर्थ

हे प्रभु! संपूर्ण रुप से तीनों जगत् की उपमाओं का विजेता, देव मनुष्य तथा धरणेन्द्र के नेत्रों को हरने वाला कहां आपका मुख? और कलंक से मलिन, चंद्रमां का वह मंडल कहां? जो दिन में पलाश (ढाक) के पत्ते के समान फीका पड़ जाता।

शब्दार्थ

वक्त्रं	: मुख मंडल	उपमानम्	: उपमाओं को जिसने ऐसा
क्व ते	: कहां आपका	बिम्बं	: बिम्ब
सुर नरोरग	: सुर (देव), नर (मनुष्य), उरग (धरनेंद्र)	कलंक मलिनं	: कलंक से मलिन
नेत्रहारि	: नेत्र को हरण करने वाला	क्व	: कहां
निःशेष	: समस्त प्रकार के	निशाकरस्य	: चंद्रमां का
निर्जित	: जीत लिया हो	यद् वासरे	: जो की दिन में
जगत् त्रितय	: तीनों जगत को	भवति पाण्डु	: हो जाता है पिला
		पलाशकल्पम्	: पलाश पत्थर के समान

चोर भय व अन्य भय निवारक

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth